भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1296
28 जुलाई, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

समुद्र यान मिशन

1296. श्री वेंकटारमन राव मोपीदेवी:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) समुद्र के गहरे अन्वेषण और दुर्लभ खनिजों के उत्खनन के लिए मानव को गहरे समुद्र में उतारने के लक्ष्यार्थ समुद्रयान मिशन का ब्यौरा क्या है;
(ख) उपरोक्त के लिए अभिप्रेत लाभ क्या-क्या हैं;
(ग) उपरोक्त के लिए निर्धारित समयसीमा क्या है; और
(घ) गहरे समुद्र के अन्वेषण हेतु इस प्रकार की अन्य परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) समुद्रयान मिशन का उद्देश्य गहरे समुद्र में अन्वेषण के लिए वैज्ञानिक सेंसर और उपकरणों के एक सैट के साथ समुद्र में 6000 मीटर की गहराई तक 3 मनुष्यों को ले जाने के लिए एक स्व-चालित मानवयुक्त पनडुब्बी विकसित करना है। इसमें 12 घंटे की परिचालन अवधि और आपात स्थिति में 96 घंटे की परिचालन अवधि की क्षमता है।

(ख) मानवयुक्त पनडुब्बी से वैज्ञानिक सीधे हस्तक्षेप के माध्यम से अब तक खोजे न गए गहरे समुद्री क्षेत्रों को देख-समझ सकेंगे। इसके अलावा, यह गहरे समुद्र में मानव रेटेड वाहन विकास की क्षमता को बढ़ाएगा।

(ग) इस मिशन की अनुमानित अवधि 2020-2021 से 2025-2026 तक पांच वर्ष है।

(घ) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्थान, राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी), चेन्नई ने गहरे समुद्र की खोज के लिए 6000 मीटर गहराई तक रेटेड रिमोट चालित यान (आरओवी) और विभिन्न अन्य अंतर्जलीय उपकरणों जैसे कि ऑटोनॉमस कोरिंग सिस्टम (एसीएस), ऑटोनॉमस अंडरवाटर व्हीकल (एयूवी) तथा डीप सी माइनिंग सिस्टम (डीएसएम) विकसित किए हैं।

*****